



Hargharpanditji

॥ होलिका पूजन विधि ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ होलिका पूजन विधि ॥

होलिका पूजन होली पर्व की एक महत्वपूर्ण परंपरा है। इसे भक्त प्रह्लाद की भक्ति, भगवान विष्णु की कृपा और बुराई पर अच्छाई की विजय की स्मृति में किया जाता है। क्षेत्र और परिवार की परंपरा के अनुसार पूजा-विधि में थोड़ा अंतर हो सकता है।

होलिका पूजन सामग्री

रोली, कुमकुम और अक्षत
मौली/कलावा
फूल और माला
हल्दी
गुड़ और मिठाई
नारियल
फल
गेहूँ या जौ की बालियाँ
जल से भरा कलश
दीपक और धूप
कपूर
सूखी लकड़ियाँ और उपले
पूजा के लिए अन्य पारंपरिक सामग्री

होलिका पूजन की विधि

स्नान और संकल्प
होलिका पूजन से पहले स्नान करके स्वच्छ वस्त्र पहनें। पूजा स्थल पर बैठकर परिवार के सुख, शांति और समृद्धि के लिए संकल्प लें।

गणेश जी का स्मरण

सबसे पहले भगवान गणेश का ध्यान करें और पूजा निर्विघ्न पूर्ण होने की प्रार्थना करें।

होलिका एवं प्रह्लाद का पूजन

होलिका दहन स्थल पर स्थापित होलिका और प्रह्लाद के प्रतीक का पूजन करें। रोली, अक्षत, फूल और मौली अर्पित करें।

जल एवं नैवेद्य अर्पित करें

होलिका को जल, फल, गुड़, मिठाई और अन्य पूजा सामग्री अर्पित करें।

भगवान विष्णु का स्मरण

भक्त प्रह्लाद भगवान विष्णु के परम भक्त थे, इसलिए भगवान विष्णु का ध्यान करके उनका मंत्र जपें:

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय।

होलिका पूजन मंत्र

श्रद्धापूर्वक कहें:

ॐ होलिकायै नमः।

परिक्रमा और प्रार्थना

पूजन के बाद होलिका की परिक्रमा करें और परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य तथा नकारात्मकता से मुक्ति की प्रार्थना करें।

होलिका दहन

स्थानीय पंचांग में दिए गए शुभ मुहूर्त के अनुसार होलिका दहन करें। अग्नि के पास पर्याप्त दूरी बनाए रखें और अग्नि-सुरक्षा का ध्यान रखें।

होलिका पूजन के समय प्रार्थना

हे भगवान विष्णु!

जिस प्रकार आपने भक्त प्रह्लाद की रक्षा की,

उसी प्रकार हमारे परिवार पर अपनी कृपा बनाए रखें।

हमारे जीवन से भय, अहंकार, द्वेष और नकारात्मकता दूर करें और सुख, शांति, प्रेम एवं समृद्धि प्रदान करें।